

शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण राष्ट्रीय कार्यशाला भारतीय ज्ञान प्रणाली का संप्रेषण एवं प्रसार

आयोजक

सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (निस्पर), नई दिल्ली

सह आयोजक

भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (इन्यास)

तथा

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक



16 अक्टूबर, 2025



महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक

सीएसआईआर – राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (निस्पर), नई दिल्ली, अपने प्रमुख कार्यक्रम “स्वस्तिक (वैज्ञानिक रूप से मान्य सामाजिक पारंपरिक ज्ञान)” के अंतर्गत, इन्यास के प्रमुख कार्यक्रम “ग्रामीण विज्ञान शिक्षा प्रशिक्षण उपयोगिता कार्यक्रम (रुसेटअप)” तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक के तत्वावधान में, आपको भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) पर आयोजित एक व्यापक एवं संवादात्मक कार्यशाला में सादर आमंत्रित करता है। यह कार्यशाला विशेष रूप से हाई स्कूल और कॉलेज के शिक्षकों एवं शिक्षाविदों के लिए तैयार की गई है, ताकि वे भारतीय परंपरा और ज्ञान के मूल्यों को गहराई से समझकर अपनी शिक्षण पद्धतियों में समाहित कर सकें।

इस कार्यशाला का उद्देश्य है:

- शिक्षकों की भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) की समझ को बढ़ाना, न केवल ऐतिहासिक दृष्टिकोण से, बल्कि इसके वर्तमान शिक्षा में प्रासंगिकता के संदर्भ में भी।
- शिक्षकों को व्यावहारिक उपकरण और रणनीतियाँ प्रदान करना, ताकि वे आईकेएस की अवधारणाओं को रोचक और सुलभ तरीके से प्रभावी रूप से प्रस्तुत कर सकें।
- अंतरविषयक शिक्षण की मानसिकता को बढ़ावा देना, जो पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जोड़ता है।
- शिक्षकों को प्रोत्साहित करना कि वे अपने कक्षाओं और समुदायों में आईकेएस के प्रतिनिधि बनें, जिससे भारत की वैज्ञानिक परंपराओं की गहरी सराहना उत्पन्न हो।

प्रतिभागियों को विचारोत्तेजक व्याख्यान, संवादात्मक चर्चाएँ और व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों से लाभ मिलेगा, जो उन्हें आईकेएस की समृद्धि को अपनी दैनिक शिक्षण प्रथाओं में समाहित करने में सक्षम बनाएंगे।

हम आपकी सक्रिय भागीदारी के लिए उत्साहित हैं और ज्ञान और अनुभव साझा करने के इस सार्थक सत्र की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

सुगम और सहज शिक्षण अनुभव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिभागी लैपटॉप साथ ला सकते हैं।

भोजन और जलपान प्रदान किया जाएगा।

कार्यशाला के लिए कोई पंजीकरण शुल्क नहीं है / प्रतिभागियों को यात्रा भत्ता और आवास की सुविधा नहीं दी जाएगी।

प्रायोजक

डॉ. गीता वाणी रायसम
निदेशक सीएसआईआर-निस्पर

प्रो. राजबीर सिंह
कुलपति, एमडीयू

आयोजक सचिव

डॉ. चारु लता, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर
डॉ. संध्या लक्ष्मणन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर एवं इन्यास
डॉ. सुरेंद्र यादव, प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, एमडीयू

सह-आयोजक सचिव

डॉ. परमानंद बर्मन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर



पात्रता: हाई स्कूल शिक्षक, उच्च शिक्षा संस्थानों के स्नातक और स्नातकोत्तर संकाय/वैज्ञानिक/शोधकर्ता, केंद्रीय/राज्य संबद्ध कॉलेज और निजी कॉलेज के शिक्षक पात्र हैं।

पंजीकरण के लिए कोई शुल्क नहीं है।



पंजीकरण: प्रतिभागियों को कार्यशाला के लिए दिए गए लिंक या क्यूआर कोड के माध्यम से 10 अक्टूबर, 2025 तक पंजीकरण करना अनिवार्य है। सीटें सीमित हैं।

<http://bit.ly/4nqmkRW>

संपर्क करें: svastik.niscpr@csir.res.in



Capacity Building National Workshop for Teachers On Communication and Dissemination of Indian Knowledge System

Organised by

CSIR-National Institute of Science Communication and Policy Research (NIScPR), New Delhi

Jointly in Association with

Indian National Young Academy of Science (INIAS)

&

Maharshi Dayanand University (MDU), Rohtak



16th October, 2025



Maharshi Dayanand University, Rohtak

CSIR- National Institute of Science Communication and Policy Research (NIScPR), New Delhi under its flagship programme "SVASTIK (Scientifically Validated Societal Traditional Knowledge)" in association with INIAS under the aegis of INIAS Flagship Programme, "Rural Science Education Training Utility Program (RuSETUP)" and Maharshi Dayanand University (MDU), Rohtak invites you to a comprehensive and interactive Capacity Building National Workshop on **Communication and Dissemination of Indian Knowledge System**, specially tailored for **high school and college teachers and educators**.

This workshop aims to: -

- Enhance teachers' understanding of Indian Knowledge System (IKS), not just from a historical viewpoint, but also in terms of its relevance in present day education.
- Impart knowledge on practical tools and strategies to effectively communicate IKS concepts in engaging and relatable ways.
- Foster a mindset of interdisciplinary teaching that integrates traditional knowledge with modern scientific perspectives.
- Encourage teachers to become representatives of IKS in their classrooms and communities, sparking a deeper appreciation of India's scientific traditions.

Participants will benefit from thought provoking lectures, interactive discussions, and hands-on training sessions that will empower them to bring the richness of IKS into their everyday teaching practices.

We are excited for your active participation and look forward to a fruitful session of learning and sharing.

To ensure a seamless learning experience, participants may bring a laptop.

Lunch and refreshments will be provided.

There is no registration fee for the workshop / No TA DA and accommodation will be provided to the participants.

Patrons

Dr. Geetha Vani Rayasam
Director, CSIR-NIScPR

Prof. Rajbir Singh
Vice Chancellor, MDU



Eligibility: High School teachers, Undergraduate and Post-Graduate faculties/scientists/researchers from higher education institutions, Central/State Affiliated Colleges, & Private Colleges are eligible.

There will be no registration fee.

Organising Secretaries

Dr. Charu Lata, Pr. Scientist, CSIR-NIScPR

Dr. Sandhya Lakshmanan, Sr. Scientist, CSIR-NIScPR & INIAS

Dr. Surender Yadav, Professor, Dept of Botany, MDU



Registration:

Participants must register for the workshop using the given link or QR code by **10th October, 2025**

Limited seats Only!

<http://bit.ly/4nqmkRW>

Co-organising Secretary

Dr. Paramananda Barman, Sr. Scientist, CSIR-NIScPR

Contact Us: svastik.niscpr@csir.res.in